

(iv) जगन्नाथ पाठक

(v) जानकी वल्लभ शास्त्री

(vi) श्रीधर भास्कर वर्णेकर

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5126

H

Unique Paper Code : 2132102401

Name of the Paper : Modern Sanskrit Literature

Name of the Course : BA (H), Sanskrit

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **all** questions.
3. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों की सानुवाद व्याख्या कीजिए:

(15)

Explain with translation of **any two** of the following verses:

(क) वेदार्थशास्त्रार्थविशुद्धसत्त्वा नित्यं नृलोकानुजिघृक्षवश्च ।

भूमितलस्योद्धरणाय यस्यां महावराहन्त्यपरेऽपि सन्तः॥

(ख) तां कालरात्रीमिव लेलिहानां दूतीं शिवस्येव करालवृत्ताम् ।

माता यशोदेव महानुभावामलालयत साध्वसिनी तदम्बा ॥

(ग) वयं सुपुत्राः प्रिय- मातृभूमेः स्वबान्धवैरेव बहिष्कृताः स्मः ।

उद्धर्तुमस्मांश्चिरदास्यपङ्कान्नास्मदृते कोऽपि परः समर्थः॥

तिमिरं स्वयं गमिष्यति रे।

(ग) प्रसरति तमस्तोम एषोऽयं यदपिच्छन्नाकाशः ।

कृतन्ति किन्तु तवायमथैनमन्तर्दीपप्रकाशः॥

(घ) खनेः कृष्णाङ्कारः बहिरायाती

असौ हरितपर्णं पश्यति

तदा शोर्केनात्मानं प्रज्वालयति ।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए। (20)

Write comment on any four of the following.

(i) रामकरण शर्मा

(ii) पण्डिता क्षमा राव

(iii) यतीन्द्र विमल चौधुरी

5126

6

अथवा

OR

रधावल्लभ त्रिपाठी रचित “गीतधीवरम्” के वर्ण्यविषय को स्पष्ट करें।

Explain the subject matter of "Geetadheevaram" written by Radhavallabh Tripathi.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए: (10)

Translate any two of the following:

(क) शब्दगुम्फं विधाय क्वचिद् यत्नतः काव्यबन्धं कथञ्चिद् वयं कुर्महि।

नैव भासो न माघो न बाणोऽधुना ब्रूहि कोऽस्मिन् यूगे कालिदासायते ॥

(ख) संकल्पस्य न कोऽपि विकल्पः, हठयोगीव भवति संकल्पः ।

शिवसङ्कल्पं हृदि धारयत, कलुषं स्वयं नशिष्यति रे॥

5126

3

(घ) प्रविश्य सेनां दलिता बभूवुः सुशिक्षिताः श्रीयुतप्रतिष्ठाः।

महारसेनापथकैः समैच्छञ् जित्वा भुवं शासितमाङ्गलराष्ट्रः॥

2. महाकाव्य “स्वातन्त्र्यसम्भवम्” के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु को लिखिए। (10)

Write the subject-matter of the second canto of the epic "Svatantryasambhavam".

अथवा

OR

“भीमायनम्” महाकाव्य में वर्णित सामाजिक सन्देश का मूल्यांकन कीजिए।

Evaluate the social message described in the epic "Bhimayanam".

P.T.O.

3. “शतपर्विका” कथा में वर्णित सामाजिक सन्देश की समीक्षा कीजिए।

(10)

Review the social message described in "Shataparvika Katha".

अथवा

OR

“शार्दूलशकटम्” की कथावस्तु का सविस्तार वर्णन कीजिए।

Describe the plot of "Shardulshaktam" in detail.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सानुवाद व्याख्या कीजिए: (15)

Explain with translation of any two of the following:

(क) सौभाग्यवति! गच्छ । निर्भरं तावत् रसवतीं सज्जय । किमपि स्वादु नवीनं वा वायज्जनं पच । नाहं रुग्णः । स्वस्थोऽस्मि जातः । रोगस्तु मम मनस्यासीत् न शरीरे । सोऽपि द्राग्दूरीभूतः । रमोद्वाहेनावशिष्टोऽपि रोगो मे प्रविष्टा ।

(ख) अन्तर्दधाति वसुधा कनकादिवित्तं सर्वं तदेव निहितं प्रसवाय तस्याः ।

लुब्धास्तथापि धनिकाः खलवृत्तिवश्या दैन्यं नयन्ति हि जनं बलकूटरिक्तम्॥

(ग) रामलालो वामपार्श्वं परिवर्त्य दक्षिणपार्श्वेन शेतुमुपक्रमते । प्रत्यभिज्ञानभयात् रमा काष्ठपुत्तलिकेव अकीञ्चित्करी तिष्ठति । द्वित्रैरेव क्षणैः दीर्घनिःश्वासान् मुञ्चति रामलालः । रमा जानाति, यत्तातो निर्भरं स्वपिति ।

(घ) अमृतस्य वाक्यमतीव मिष्टं सखीनां करोति स शुभमिष्टम् ।

सदा मन्यते विषवत्परुषं लीलया जहाति मन्दपुरुषम् ॥

5. हरिराम आचार्य कृत गीतिकाव्य “संकल्पगीतिः” की समीक्षा कीजिए।

(10)

Review the lyric poem "Sankalpageeti" written by Hariram Acharya.